एस्तेर मॉरिस ने
महिलाओं से मतदान करवाया

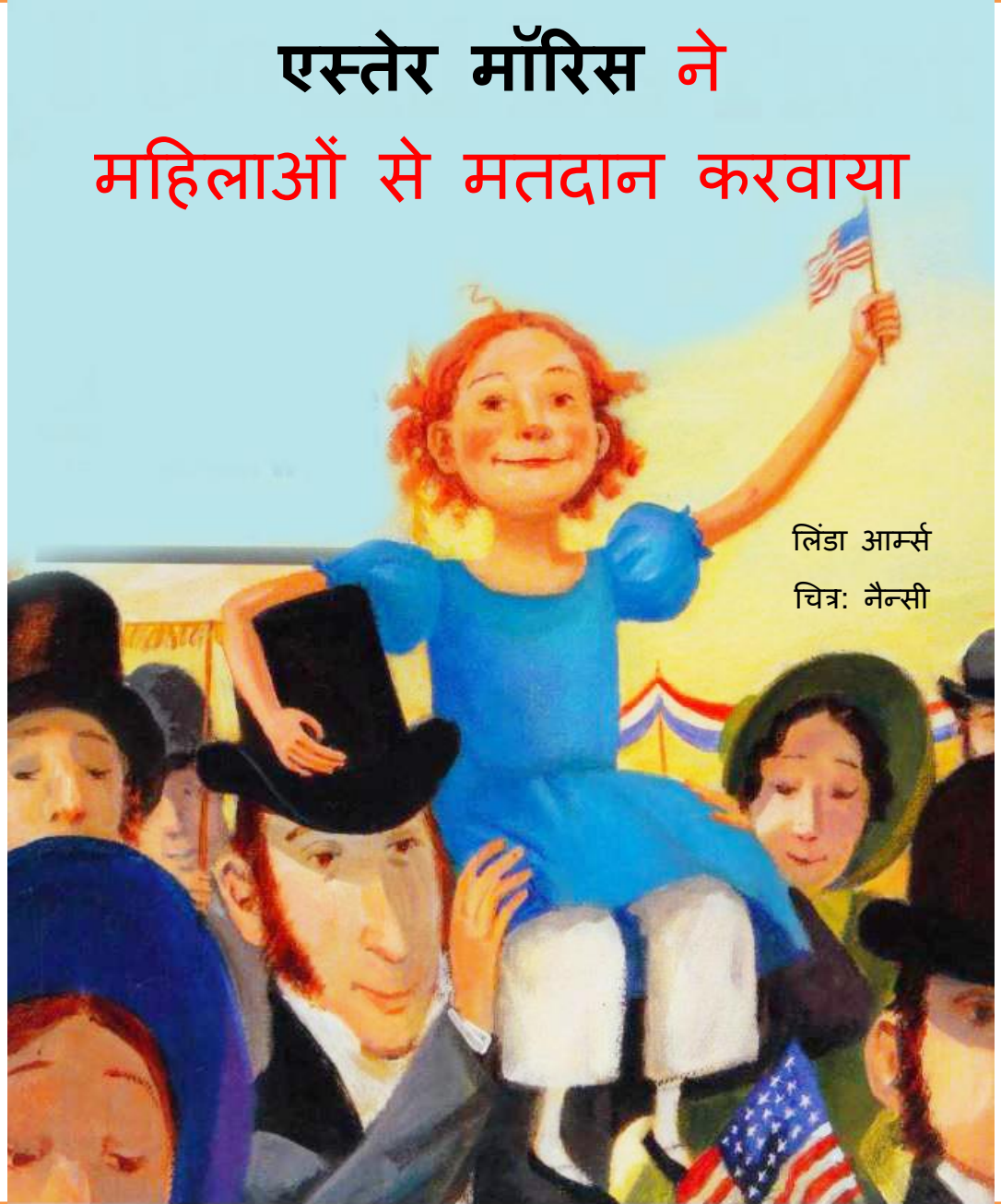

लिंडा आर्म्स्ट्रांग
चित्र: नैन्सी

एस्तेर मॉरिस ने
महिलाओं से मतदान करवाया

लिंडा आर्म्स
चित्र: नैन्सी

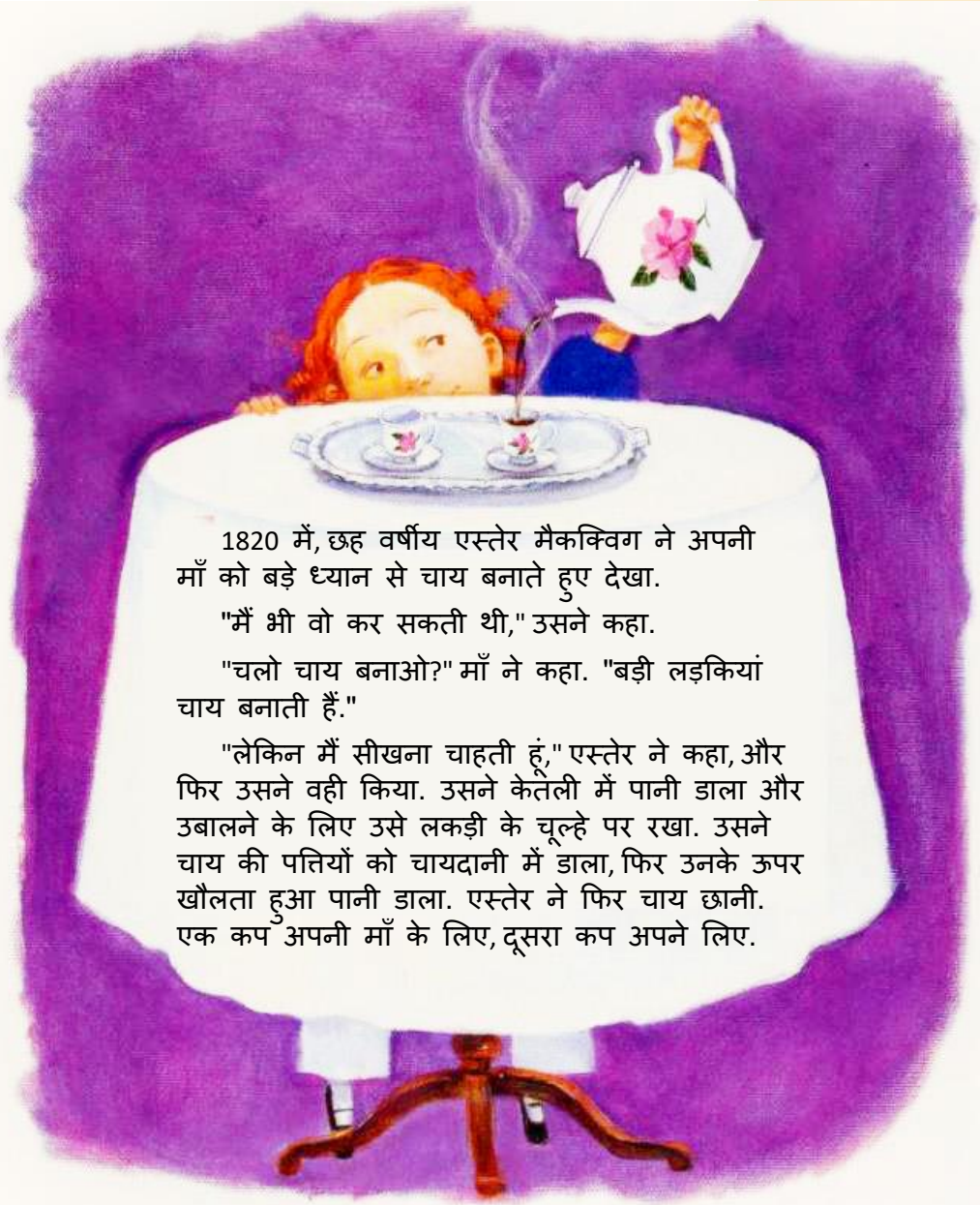

1820 में, छह वर्षीय एस्तेर मैकक्विग ने अपनी माँ को बड़े ध्यान से चाय बनाते हुए देखा.

"मैं भी वो कर सकती थी," उसने कहा.

"चलो चाय बनाओ?" माँ ने कहा. "बड़ी लड़कियां चाय बनाती हैं."

"लेकिन मैं सीखना चाहती हूं," एस्तेर ने कहा, और फिर उसने वही किया. उसने केतली में पानी डाला और उबालने के लिए उसे लकड़ी के चूल्हे पर रखा. उसने चाय की पत्तियों को चायदानी में डाला, फिर उनके ऊपर खौलता हुआ पानी डाला. एस्तेर ने फिर चाय छानी. एक कप अपनी माँ के लिए, दूसरा कप अपने लिए.

जब वे अपने न्यूयॉर्क के घर की खिड़की के पास बैठे, तो एस्तेर ने देखा कि कुछ लोग अपने सबसे अच्छे सूट पहने और झंडे लेकर जा रहे थे.

"माँ, वो लोग कहाँ जा रहे हैं?" एस्तेर ने पूछा. "वे अमरीका के अगले राष्ट्रपति के लिए मतदान करने जा रहे हैं," माँ ने कहा.

"क्या पापा वोट देंगे?"

"हाँ पापा हमेशा वोट करते हैं."

"माँ, तुम वोट करोगी?"

"नहीं बेटी, केवल पुरुष ही मतदान कर सकते हैं."

जब एस्तेर आठ साल की थी, तब उसने अपनी माँ को सुई से बढ़िया सिलाई करते हुए देखा. सुई ने धागे को अंदर-बाहर, अंदर-बाहर खींचा, कपड़े में छोटे टांकों की अच्छी साफ़ सिलाई हुई. एस्तेर ने महसूस किया कि उसके हाथ उसकी माँ की नकल कर रहे हैं.

"मैं भी ऐसा कर सकती हूँ," उसने कहा.

और फिर उसने किया.

उसने अपनी गुड़िया के लिए चिथड़ों से कपड़े सिले, और जब उसके टांके साफ और सीधे हुए, तब उसने अपने पापा के लिए एक शर्ट सिली.

जब एस्तेर ग्यारह वर्ष की हुई, तब उसकी माँ चल बसीं, और उसने अपने पापा को पहली बार रोते देखा. पापा ने अपने ग्यारह बच्चों को एक साथ बुलाया.

"मुझे नहीं पता कि हम तुम्हारी माँ के बिना क्या करेंगे," उन्होंने कहा. "मैं आप में से प्रत्येक पर निर्भर हूं. मैं चाहता हूँ कि आप बहादुर बनें और एक-दूसरे की देखभाल करें."

एस्तेर, जो ग्यारह बच्चों में से आठवें नंबर पर थी, वो भी रोई. लेकिन फिर उसने कहा, "मैं यह कर सकती हूँ पापा." और उसने वो किया.

जब एस्तेर उन्नीस साल की हुई तो वो छह फीट ऊंची थी. उसने अपने दम पर अपना उद्योग शुरू किया. उसने अमीर महिलाओं के लिए पोशाकें सिलकर अपनी आजीविका अर्जित की.

जब महिलाओं को उनके कपड़ों से मेल खाती टोपी चाहिए होतीं तो एस्तेर उन्हें डिजाइन करके बनाती. जल्द ही, उसने एक टोपियों (मिलनरी) की दुकान खोलने की सोची.

"तुम अभी दुकान चलाने के लिए बहुत छोटी हो," लोगों ने उससे कहा.

एस्तेर का जवाब था, "क्यों, मुझे समझ में नहीं आता?" और उसके साथ ही, उसने ओवेगो, न्यूयॉर्क में अपनी टोपी की दुकान खोली.

एस्तेर ने अपने चर्च में उन्मूलनवादी (जो गुलामी हटाना चाहते थे) सभाओं में भाग लेना शुरू किया. लेकिन गुलामी में विश्वास करने वाले लोगों की एक भीड़ ने बैठकों को रोकने की धमकी दी, और उन्होंने उस बैपटिस्ट चर्च को तोड़ने की भी धमकी दी जहाँ सभाएं आयोजित होती थीं.

"आप लोग ऐसा नहीं कर सकते," एस्तेर ने कहा. "जो कोई भी वैसा करने की कोशिश करेगा मैं उसे रोकूंगी."

जब एस्तेर अट्ठाईस वर्ष की थी, उसने अर्टेमस स्लैक से शादी की और कुछ साल बाद, उनका एक बेटा हुआ, जिसे उन्होंने आर्ची बुलाया.

लेकिन जब एक दुर्घटना में अर्टेमस की मृत्यु हो गई, तो एस्तेर ने एक बड़ा निर्णय लिया.

"मैं इलिनोइस जाऊंगी," उसने अपने दोस्तों से कहा. "वहां मैं उस ज़मीन पर दावा करूंगी जो आर्टेमस की थी और वहीं अपने बेटे की परवरिश करूंगी."

"तुम ऐसा नहीं मत करना!" उसके एक दोस्त ने कहा. "इलिनोइस, सभ्यता से बहुत दूर है. वो खतरनाक लोगों और जंगली जानवरों से भरा है."

"हाँ," उसने कहा, "मैं वो कर सकती हूँ." और उसने करा.

इलिनोइस में, उसने आर्टेमस की ज़मीन पर दावा करने के लिए लंबी और कड़ी लड़ाई लड़ी, लेकिन उसे उसकी पुश्तैनी विरासत से वंचित कर दिया गया क्योंकि वो एक महिला थी. इसलिए, एस्तेर ने वहां एक और टोपियों की दुकान खोली.

एस्तेर की पोलैंड के एक व्यापारी और अप्रवासी जॉन मॉरिस से मुलाकात हुई और उन्होंने शादी की, और 1851 में उनके जुड़वां लड़कों, एडवर्ड और रॉबर्ट का जन्म हुआ.

लेकिन जॉन को जीवन यापन करने में मुश्किल हुई. इसलिए, एक ओर एस्तेर ने बच्चों की परवरिश की, खाना बनाया, और कपड़े धोए, और साथ में उसने पैसे कमाने में भी मदद की.

जब एस्तेर छियालीस वर्ष की हुई, तब वह जॉन के साथ राष्ट्रपति चुनाव के लिए गई और मतदान के दौरान खिड़की में से घूरती रही.

"तुम्हें पता है," उसने जॉन से बाहर आने के बाद कहा, "मैं भी ऐसा कर सकती थी."

"देखो, राजनीति पुरुषों का काम होता है, प्रिय," जॉन ने कहा.

"नहीं," एस्तेर ने कहा. "यह हमारा भी देश है."

जब उत्तरी और दक्षिणी राज्यों के बीच युद्ध छिड़ा, तो एस्तेर को गर्व हुआ क्योंकि आर्ची गुलामी को समाप्त करने के लिए उत्तर की सेना में शामिल हुआ. उसके तुरंत बाद, संविधान में एक संशोधन ने नीग्रो पुरुषों को वोट देने का अधिकार दिया और नागरिकता के सभी अधिकार भी प्रदान किए.

जब एस्तेर ने सुसान बी. एंथोनी को महिलाओं के अधिकारों के बारे में बोलते हुए सुना, तब एस्तेर को उम्मीद होने लगी कि किसी दिन महिलाएं भी वोट देंगी.

1869 में, जब एस्तेर पचपन वर्ष की थी, तो वो अपने अठारह वर्षीय बेटों के साथ नवगठित व्योमिंग क्षेत्र में चली गई, जहां जॉन और आर्ची, जो एक साल पहले वहां गए थे, उनका इंतजार कर रहे थे.

एस्तेर और लड़कों ने रेलगाड़ी से मीलों की यात्रा की, फिर वे चट्टानी पहाड़ियों से होते हुए साउथ पास सिटी, से गुज़रे जहाँ सोना पाया गया था. वहाँ रहने वाले दो हज़ार लोगों में ज़्यादातर उपद्रवी युवक थे. वे दिन में खदानों में काम करते थे, और रात में सैलून में बैठकर शराब पीते थे.

मॉरिस परिवार ने अपने सामान को एक छोटे से लॉग केबिन में स्थानांतरित कर दिया, और साउथ पास सिटी उनका घर बन गया था. जॉन वहां पर एक सैलून चलाता था.

आर्ची ने एक प्रिंटिंग प्रेस खरीदा और एक अखबार शुरू किया.

एस्तेर ने एक और टोपी की दुकान खोली.

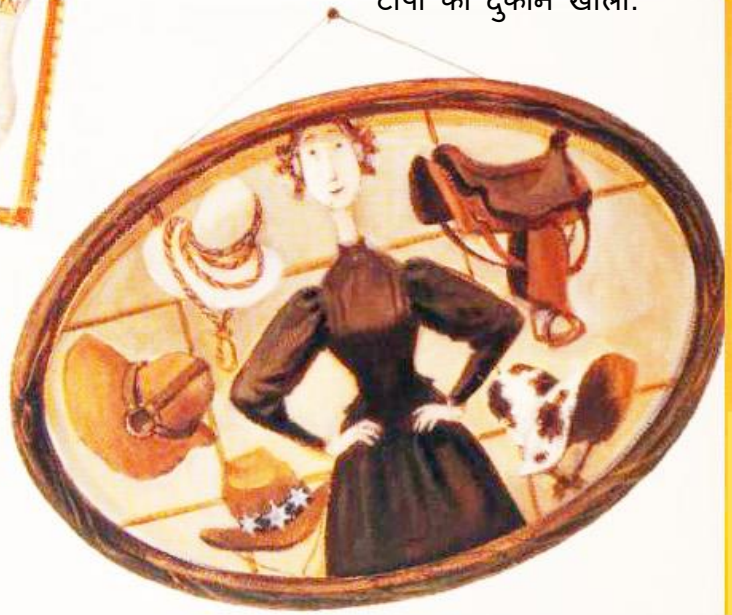

लेकिन वहां पर हर महिला के लिए छह पुरुषों थे. इसलिए बीमार और घायलों की देखभाल करने, कपड़े सिलने, बच्चों को जन्म देने में मदद करने और शहर की कुछ युवतियों को मातृ सलाह देने के लिए हमेशा किसी महिला की जरूरत होती थी. "मैं ऐसा कर सकती हूँ," एस्तेर ने कहा. और उसने किया.

एक दिन, एस्तेर ने एक दीवार पर एक पोस्टर पढ़ा:

21 साल से अधिक आयु के सभी पुरुष नागरिक, पहले क्षेत्रीय चुनावों में मतदान के लिए आमंत्रित हैं.

एस्तेर ने वहां के बदमाश युवकों की ओर देखा.

"अब कुछ करने का समय आ गया है," उसने कहा.

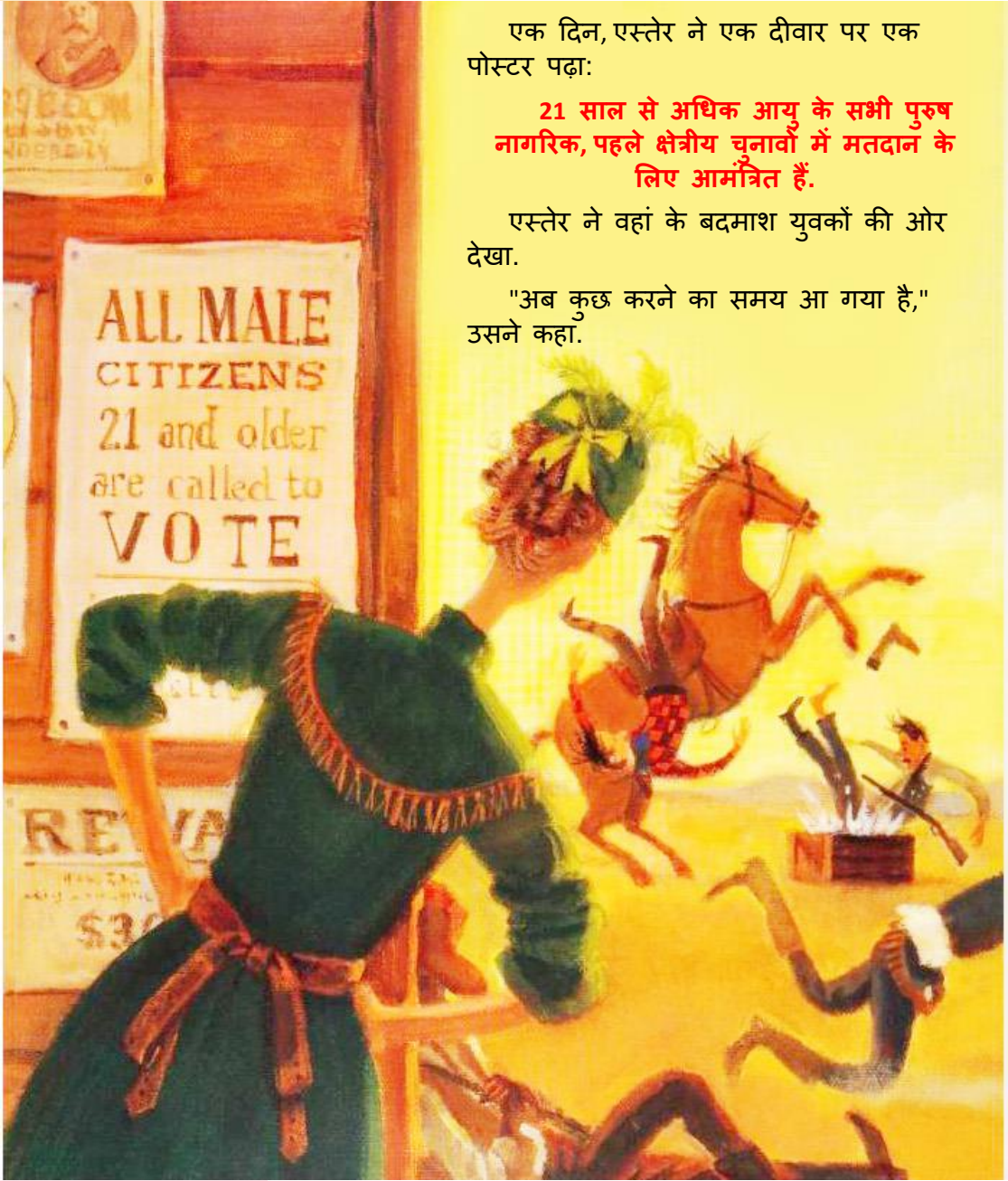

जब एस्तेर के बेटों ने उसे घर की ओर बढ़ते हुए देखा, तो उन्हें लगा कि यथास्थिति बनी रहने की बजाए अब चीज़ों के बदलने की अधिक संभावना थी.

एस्तेर ने क्षेत्रीय विधायिका के लिए चुनाव लड़ने वाले दो उम्मीदवारों को, नागरिकों से बात करने के लिए अपने घर बुलाया. फिर उसने क्षेत्र के सबसे प्रभावशाली लोगों को निमंत्रण भेजा:

"चाय के लिए आयें, और उम्मीदवारों से बात करें."

उसने अपने छोटे से घर को ऊपर से नीचे तक साफ़ किया, पर्दों को धोया और अपनी सबसे अच्छी पोशाक को इस्त्री किया.

जब उम्मीदवार और मेहमान आए, तो एस्तेर ने उन्हें चाय पिलाई. "एक बात मुझे व्योमिंग के बारे में बहुत पसंद है," उसने कहा, "यहाँ पर हर कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण है. देखो, शहर को सुचारु रूप से चलाने के लिए, पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं का भी साथ होना ज़रूरी है."

"हाँ," उसके सभी मेहमान सहमत हुए.

"और व्योमिंग एक ऐसी जगह है जहां लोग नई चीजों को आजमाने से डरते नहीं हैं."

मेहमानों से फिर से उसकी बात मानी.

एस्तेर मुस्कुराई. फिर उसने उम्मीदवारों की ओर रुख किया.

"तो, यदि आप चुने जाते हैं, तो क्या आप वो विधेयक पेश करेंगे जो महिलाओं को वोट देने की अनुमति देगा?"

अचानक, लोगों से भरे उस छोटे से कमरे में, सन्नाटा छा गया.

अंत में, कर्नल विलियम ब्राइट ने कहा.

"मिसेज़ मॉरिस, मेरी पत्नी भी वोट देना चाहती हैं. वो बुद्धिमान और अच्छी तरह से शिक्षित है. सच बात यह है कि वो मुझसे अधिक जागरूक मतदाता होंगी. अगर मैं निर्वाचित होता हूं, तो मैं उस बिल को ज़रूर पेश करूंगा."

दूसरे उम्मीदवार, हरमन निकर्सन भी अब पीछे नहीं हटना चाहते थे. उन्होंने भी अपनी सहमति व्यक्त की.

उस छोटे से केबिन में तालियाँ बज उठीं और एस्तेर अपनी कुर्सी पर ज़ोर से बैठी.

"धन्यवाद," उसने कहा.

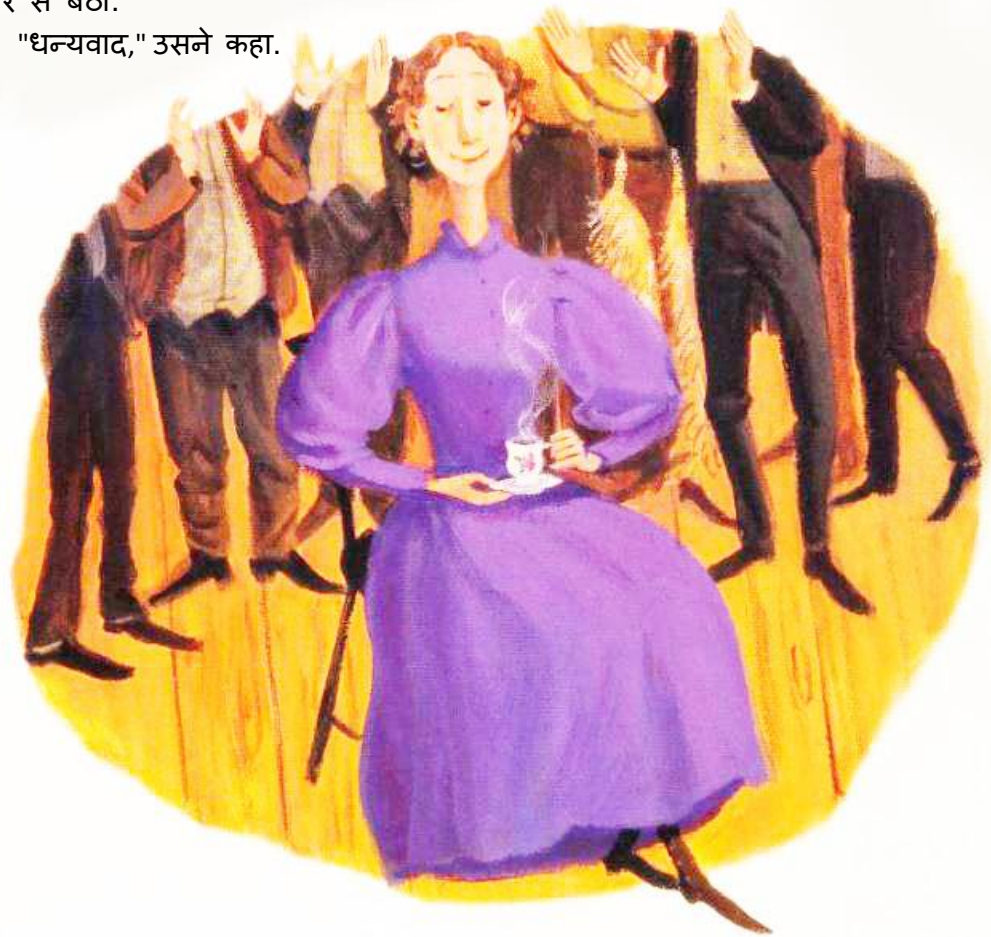

लोगों ने उन्हें चेतावनी दी कि विधेयक पेश होने के बाद, विधायिका में पुरुषों को, उस बिल को स्वीकार करना होगा. और राज्यपाल को उस पर हस्ताक्षर करने होंगे. पर ऐसा पहले और कहीं नहीं हुआ था. एस्तेर को क्यों लगा कि यह यहाँ ऐसा संभव होगा?

लेकिन एस्तेर ने यह देखा था कि जिन चीज़ों के होने की संभावना नहीं थी, वे हर दिन होती थीं. उसने पत्र लिखे और यह सुनिश्चित करने के लिए विधायकों से मुलाकात की कि वो बिल पास हो.

और वो बिल पास हुआ. 10 दिसंबर, 1869 को गवर्नर जॉन कैंपबेल ने इस बिल पर हस्ताक्षर करके उसे एक कानून बना दिया!

व्योमिंग महिला

वोट का अधिकार

व्योमिंग की महिलाओं के लिए देश भर की महिलाओं ने खुशी मनाई.

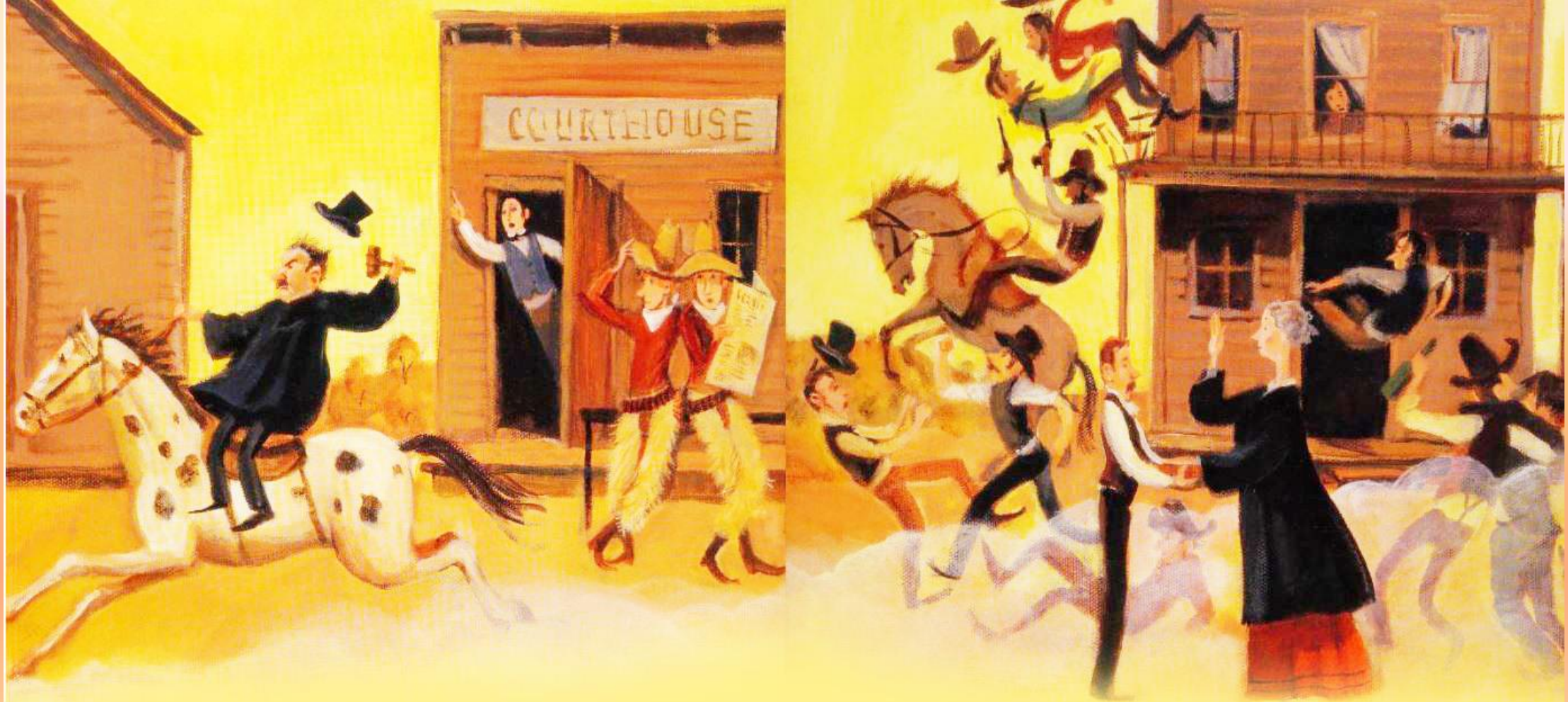

लेकिन कुछ लोगों को वो पसंद नहीं आया. केवल आठ दिन बाद, काउंटी में शांति के न्यायाधीश, जेम्स स्टिलमैन ने अपना इस्तीफा दे दिया. उन्होंने ऐसी जगह न्याय देने से इनकार किया जहां पर महिलाओं ने कानून बनाने में मदद की थी. फिर बात फ़ैली कि शांति के एक नए न्यायाधीश की जरूरत थी. एस्तेर के लड़के अपनी माँ की ओर मुड़े. "माँ, आप वो कर सकती हैं," उन्होंने कहा. और फिर एस्तेर ने आवेदन भरा.

आर्ची, जो उस समय अदालत में क्लर्क था, ने गर्व से अपनी मां को शपथ दिलाई, जिससे न्यायाधीश एस्तेर मॉरिस सार्वजनिक पद संभालने वाली देश की पहली महिला बन गईं.

लेकिन न्यायाधीश स्टिलमैन ने एस्तेर को अदालत का आधिकारिक बही-खाता सौंपने से इनकार कर दिया.

"कोई बात नहीं," एस्तेर ने कहा. "आर्ची, क्या तुम जाकर मेरे लिए एक बही-खाता खरीद सकते हो? मैं अपना खुद का डॉकेट शुरू करूंगी."

और, ज़ाहिर है, एस्तेर ने वही किया.

6, सितंबर 1870 को, चाय पार्टी के एक साल बाद, न्यायाधीश एस्तेर मॉरिस ने अपनी सबसे अच्छी पोशाक पहनी और अपने पति, जॉन और अपने बेटों के साथ धूल भरी सड़क से मतदान स्थल तक चल कर गईं. वो उस दिन मतदान करने वाली एक हज़ार व्योमिंग महिलाओं में से एक थीं. व्योमिंग अमेरिका में पहला राज्य था जिसने स्थानीय चुनावों में स्थायी रूप से महिलाओं को वोट का अधिकार दिया था.

जब वे चले, तब जॉन ने एस्तेर को प्रशिक्षित करने की कोशिश की कि किन उम्मीदवारों को और किन मुद्दों पर वोट देना चाहिए. एस्तेर ने उसका हाथ थामा और कहा. "मैं यह कर सकती हूँ."

और एस्तेर ने वो किया.

लेखक का नोट

चर्च, कब्रिस्तान और सार्वजनिक रिकॉर्ड से एस्तेर मॉरिस के शुरुआती जीवन, उनके टोपियों के व्यवसाय और उनके दो विवाहों के बारे में बहुत कम तथ्य ही मिलते हैं. ओवेगो में एस्तेर का चर्च देश में स्थापित पहला गुलामी विरोधी चर्च था. समान अधिकारों से उसकी रुचि महिलओं के मताधिकार तक फैली, जैसा कि उसके द्वारा चचेरे भाई को लिखे गए पत्रों में दर्ज है. ऐसा कहा जाता है कि 1895 में, एस्तेर ने, निर्वाचित प्रतिनिधि के रूप में राष्ट्रीय मताधिकार सम्मेलन में भाग लिया.

जबकि कई इतिहासकारों का मानना है कि उनकी चाय पार्टी की कहानी सच है, जैसा कि कुछ साल बाद उम्मीदवारों में से एक कैप्टन एच. जी. निकरसन ने कुछ साल बाद स्वीकार किया, लेकिन कुछ लोग उससे असहमत भी हैं. पर सभी इस बात से सहमत हैं कि व्योमिंग टेरिटरी में महिलाओं का मताधिकार हासिल करने में एस्तेर की महत्वपूर्ण भूमिका थी. वे इस बात से भी सहमत हैं कि जब उनके बेटे ने उन्हें साउथ पास सिटी में शांति के न्यायधीश के रूप में शपथ दिलाई, तो वो पहली महिला न्यायाधीश और अमरीका में राजनीतिक पद संभालने वाली पहली महिला बनीं.

अपने सभी "पहले कामों" के बावजूद, एस्तेर कभी भी राष्ट्रपति के लिए मतदान नहीं कर पाईं. यह अधिकार महिलाओं को 1920 तक नहीं मिला - एस्तेर की व्योमिंग चाय पार्टी के इक्यावन साल बाद, और उनकी मृत्यु के अठारह साल बाद, संविधान के उन्नीसवें संशोधन ने अमरीका की सभी महिलाओं को राष्ट्रीय चुनावों में वोट देने का अधिकार दिया.

एस्तेर जैसी दिखने वाली के एक मूर्ती व्योमिंग स्टेट कैपिटल के सामने और दूसरी यूनाइटेड स्टेट्स कैपिटल में नेशनल स्टैच्यूरी हॉल कलेक्शन में रखी है.

आज, दुनिया भर में महिलाएं वोट देती हैं, पद धारण करती हैं, और अपने देश की सरकारों में सक्रिय भूमिका निभाती हैं. हालांकि, अभी भी कुछ देश ऐसे हैं जहां महिलाओं की आवाज नहीं सुनी जाती है. अगर एस्तेर वहाँ होती, तो वो अपनी चायदानी निकालती और तुरंत काम पर लग जाती.